# राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

# CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

## 2021 - 22

### M.P.A in KATHAK – II nd YEAR – -PRIVATE

| No | Subject Nature | Total Mark% | Min Mark% |
|---|---|---|---|
| | **B. CORE SUBJECT** | | |
| | **Kathak Theory Core 1** | | |
| | (History and development of Indian dance) | | |
| 1. | 1. - C1-MDK-101 (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical) | 100 | 36% |
| | 2. C1-MDK-102 | 100 | 36% |
| 2. | **Technical Course Practical Core 2** | 100 | 36% |
| | 3. Demonstration & Viva – C2-MDK-101 | 100 | 36% |
| | 4. Stage Performance - C2-MDK-102 | 100 | 36% |
| | 5. Lecture Demonstration– C2-MDK-103 | | |
| | **GRAND Total Credits & Hours** | | |

एम.पी.एस्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम 2021–22

विषय – कथक नृत्य

प्रथम प्रश्न पत्र

द्वितीय वर्ष

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and development of Indian dance)

समय :–3 घण्टें

पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. कथक नृत्य का क्रमिक विकास।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन के वस्तुक्रम का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।

2 रासलीला का विस्तृत अध्ययन एवं कथक नृत्य से उसका संबंध।

इकाई–3

1 मार्गी एवं देषी नृत्य का ज्ञान।

2 नाट्य शास्त्र के आधार पर मृत्युलोक में नाट्य का प्रादुर्भाव।

इकाई–4

1 विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन।

इकाई–5

1 कथक नृत्य के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध कलाकारों की जीवनियाँ एवं कथक नृत्य में उनके योगदान की जानकारी :– श्रीमती सितारा देवी, स्व. सुश्री दमयंती जोशी, स्व. श्रीमती रोहिणी भाटे एवं श्रीमती कुमुदिनी लाखिया।

एम.पी.ए स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम 2021–22
उत्तरार्द्ध
विषय – कथक नृत्य
द्वितीय प्रश्नपत्र

## निबंध सरंचना, लयकारी, एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
## (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय :–3 घण्टें

पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. निम्नलिखित विषयों का संक्षिप्त अध्ययन :–
   पात्र लक्षण, किंकिणी लक्षण, पाद भेद एवं नृत्य हस्त।
2. करण, अंगहार, चारी एवं मंडल का अध्ययन।

इकाई–2

1 कथक नृत्य के भाव प्रदर्शन की विविधताओं का ज्ञान।
2 नायिका भेद एवं नायक भेद का सविस्तार अध्ययन।

इकाई–3

1 लय का विस्तृत अध्ययन।
2 अभिनय दर्पण के अनुसार नवग्रह हस्त, बांधव हस्त का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई–4

1 (अ) दिए गए बोलो का प्रयोग करते हुए आमद, तोड़े, परन एवं तिहाई आदि की रचना।
जैसे :– तत, थुं दिगदिग, धिलांग, धुमकिट, किटतक, ता, थेई इत्यादि।
(ब) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों में तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–5

1 दिए गए कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता।
कथानक :– सीता स्वयंवर, मोहिनी भस्मासुर एवं खण्डिता नायिका।
बिन्दु :–संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस ।

## प्रायोगिक–1 (वायवा / Viva)

पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. निम्नलिखित में से किंही दो देवताओं की वंदना से संबधित श्लोक पर भाव प्रदर्शनः– शिव वंदना, कृष्ण वंदना एवं सरस्वती वंदना।

इकाई–2

1. त्रिताल में निम्नलिखित नृत्य प्रदर्शन की क्षमता :–
   तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, कमाली परन, नवहक्का, फरमाइशी परन, गणेशपरन, ऋतु परन विभिन्न प्रकार की कवित्त, अतीत, अनागत के तोड़े, परन, प्रिमलू एवं तिहाईया।

इकाई–3

1 रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्ही दो छन्दो की प्रस्तुति।
2 घुघंट एवं मुरली के विविध प्रकारों का प्रदर्शन।

इकाई–4

1 निम्नलिखित गतभावों का प्रदर्शन :– सीता हरण, अहिल्या उद्धार।
2 बोल जाति के साथ विविध प्रकार के ततकार एवं लयवांट का विशिष्ट प्रदर्शन।

इकाई–5

1 निम्नलिखित तालों में से किन्हीं दो पर निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन :–
   ताल बसंत,तालधमार, तालरूद्र
   थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े और परन, दो कवित्त एवं तिहाईयां आदि।

इकाई–6

1 पांच जातियों में तोड़े या परन प्रस्तुत करने की क्षमता।
2 निम्नलिखित रचनाओं में नृत्य प्रदर्शन :– चतुरंग एवं धुपद।
   ठुमरी, भंजन एवं गजल पर भाव प्रदर्शन।

प्रायोगिक– 2 (मंच प्रदर्शन / Stage performance)

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गए रागो की स्वर लिपि / तोड़ो का विवरण

1. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट।

**संदर्भित पुस्तके :–**


1. भरतमुनि नाट्यशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ भाग (वल्लभ त्रिपाठी)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथ राम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिक राम)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवान दास माणिक)
7. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)